

फॉरेन जाने वाले स्टूडेंट्स के डॉक्यूमेंट्स अब ऑनलाइन होंगे वेरिफाई

डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन
व अटेस्टेड कराने को
नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर



डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। फॉरेन कंट्रीज में हायर स्टडीज के लिए जाने वाले स्टूडेंट्स को अपने डॉक्यूमेंट्स को अटेस्टेड कराने के लिए कॉलेज, यूनिवर्सिटीज और न जाने कितने ऑफिसों के चक्कर काटने पड़ते हैं। लेकिन अब ऐसा

नहीं होगा, सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स के साथ पार्टनरशिप करते हुए ऑनलाइन पोर्टल 'ई-सनद' की शुरुआत की है। सीबीएसई के परिणाम मंजूषा को ई-सनद के साथ जोड़ा गया है, जिससे कि आने वाले समय में यूनिवर्सिटीज के रिकॉर्ड को भी इससे जोड़ने की पहल की जा रही है। इसके जरिए स्टूडेंट्स को डिजिटल मार्कशीट के साथ-साथ प्रमाणपत्र और माइग्रेशन सर्टिफिकेट भी डिजिटल रूप से अवेलेबल होगा। सीबीएसई ई-सनद को लागू करने के लिए विदेश मंत्रालय के साथ भागीदारी करने वाला पहला एजुकेशन बोर्ड बन गया है।

स्कूल देख सकेंगे स्टूडेंट का रिकॉर्ड

देशभर के सभी सीबीएसई स्टूडेंट्स का एकेडमिक रिकॉर्ड तैयार कर उसे ऑनलाइन वेबसाइट के जरिए सभी स्कूलों से जोड़ा गया है। इस परियोजना को 'परिणाम मंजूषा' नाम दिया गया है और अब इन्हें 'ई-सनद' से जोड़ा गया है। परिणाम मंजूषा डिजिटल मार्कशीट से आगे का चरण है, जिसमें अब कोई स्टूडेंट अगर स्कूल चेंज करता है, तो दूसरा स्कूल स्टूडेंट का पहले का रिकॉर्ड ऑनलाइन देख सकता है।

ऑनलाइन हो सकेगा वेरिफिकेशन

इस पोर्टल के जरिए स्टूडेंट्स अपने डॉक्यूमेंट्स को किसी भी इंस्टीट्यूट को मेल कर सकेंगे। इस सुविधा से कॉपी होने और ओरिजनल डॉक्यूमेंट्स को एक जगह से दूसरे जगह पर ले जाने की परेशानी से भी राहत मिलेगी। इंस्टीट्यूट भी इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके बाद स्कूल में एडमिशन लेने के लिए लगाए गए डॉक्यूमेंट्स को वेरिफाई भी इंस्टीट्यूट खुद कर पाएंगे। सीबीएसई और उसके सभी सेंटर्स को भी यह सुविधा दी गई है और वह स्टूडेंट से संबंधित एकेडमिक रिकॉर्ड अपलोड कर सकते हैं।